17- 23 Feb 2019

Cathedral Calling

6th Sunday of the year

Vol. 31 , No. 07

SACRED HEART CATHEDRAL
1, Ashok Place, New Delhi - 110001 23363593/23347304
CONNECT WITH US
sacredheartcathedralnewdelhi@gmail.com www.fb.com/shcdca
www.sacredheartcathedraldelhi.org

PARISH PRIEST'S CORNER

Message by Parish Priest

प्रेरितिक उद्बोधन शुभ – समाचार का आनन्द

ईवैंजलि गौदियुम पोप फ्रांसिस के प्रशंसनीय कार्यों में से एक है। इस प्रेरितिक उद्बोधन का प्रकाशन 24 अक्टूबर 2013 को किया गया, जिसका उद्देश्य अक्टूबर 2012 में रोम में आयोजित धर्माध्यक्षों में पारित प्रस्ताव का पालन करना है। 'शुभ – समाचार का आनन्द' को संत पिता फ्रांसिस का घोशणा पत्र के रूप में माना जाता है। इस दस्तावेज के अनुच्छेद 17 में, संत पिता ने स्वयं नीचे दिये गये मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करने का निर्णय लिया है: क) मिशनरी कार्यों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए कलीसिया का सुधार; ख) प्रेरितिक कार्यकर्ताओं का प्रलोभन में उलझना; ग) कलीसिया को ईश्वर की जनता के रूप में समझना, जो शुभ समाचार की घोशणा करती है; घ) प्रवचन और उसकी तैयारी; ड.) गरीबों का समाज में जोड़ना; च) समाज में शांति और संवाद; छ) मिशन के लिए अध्यात्मिक प्रेरणा। उपरोक्त सभी बिन्दु उनके हृदय से जुड़े हैं और इसलिए उनकी बातों और लेखों में बार–बार इनका जिक्र हुआ है। कलीसिया में प्राथमिकताओं को निर्धारित करते समय वे कलीसिया एवं समाज की ज्यादती एंव गलत प्राथमिकताओं की निन्दा करने से नहीं हिचकिचाते हैं। इस दस्तावेज के द्वारा संत पापा सभी मसीहियों को प्रभु येशु का व्यक्तिगत अनुभव एवं दर्शन करने के लिए आमंत्रित करते हैं ताकि इस प्रकार की आध्यात्मिक अनुभव निश्चय ही उनके दिलों में सुसमाचार का आनंद भर देगा, उनके जीवन को नयी दिशा प्रदान करेगा और उन्हें प्रेममय, धैर्यवान, उदार और उत्साही सुसमाचार प्रचारक बनायेगा। प्रभु येशु का अनुभव पाने और उसके साथ व्यक्गित संबंध स्थापित करने के उपाय ये हैः अराधना की घड़ी, वचन पर मनन–चिंतन, प्रभु से संवाद करना और अपने वचन और कर्म से दैनिक जीवन में सम्मिलित होना। यही इस दस्तावेज का मर्म है। आनन्द जो सदाबहान है, आनन्द जो बांटा जाता है: 2) उपभोक्तावाद से ग्रसित आज के संसार का सबसे बड़ा खतरा यह हैः निराशा और दुःख–पीड़ा जो आत्म–संतुश्टि मगर लोभ से जन्म लेती है, भोग विलास एंव कुण्ठित अन्तःकरण। जब भी हमारा आन्तरिक जीवन हमारे केवल अपने हित और चिन्ताओं से ग्रसित हो जाता है तब हम न दूसरों के लिए चिन्ता करते हैं, न निर्धनों के लिए। तब हमें न परमेश्वर की वाणी सुनाई देती है, न निर्धनों के लिए। तब हमें न परमेश्वर की वाणी सुनाई देती है, न हम उसके प्रेम का आनन्द महसूस करते हैं, और भलाई करने की इच्छा भी लुप्त होने लगती है। विश्वासियों के सामने भी यह एक वास्तविक खतरा है और इसके शिकार हो जाते हैं और वे कोधित, निरूत्साहित एंव उदासीन का तरीका नहीं हैं। यह कोई सम्मानित और भरपूर जीवन जीने का तरीका नहीं है और न यह हमाने लिए परमेश्वर की इच्छा है और न ही यह पवित्र आत्मा में जिया गया जीवन है जिसका श्रोत मृत्युंजय प्रभु येशु मसीह का हृदय है। 3) मैं इस वक्त सब जगह के मसीही विश्वासियों को आमंत्रित करता हूँ कि वे प्रभु येसु मसीह का नया और निजी अनुभव प्राप्त करें अथवा कम से कम हम अपना हृदय उनके लिए खुला रखें ताकि स्वयं वह अपना अनुभव हमें करा सकें। मैं आप लोगों से कहता हूँ कि आप इसको बिना भूले हर दिन करें। कोई यह न सोचे कि यह निमंत्रण उसके लिए नहीं है, क्योंकि "कोई भी उस आनन्द से वंचित नहीं है जो प्रभु प्रदान करते है।" जो लोग यह खतरा मोल लेते हैं, प्रभु उन्हें निराश नहीं करते। जब भी हम प्रभु येसु मसीह की ओर कदम बढ़ाते हैं तो हम अनुभव करते हैं कि वह पहले ही वहां बाहे फैलाकर हमारी प्रतीक्षा कर रहें हैं। यही समय है कि हम प्रभु येसु मसीह से कहें, "मैंने अपने आप को धोखा देने दिया है और हजारों बार मैंने आप के प्रेम को ठुकराया; फिर भी यहां मैं पुनः आया हूँ ताकि मैं आप के साथ अपना संबंध फिर स्थापित कर सकूं। मुझे आपकी जरूरत है। एक बार फिर मुझे अपनी मुक्तिदायी बाहों में समा लीलिए।" जब–जब हम भटक जाते हैं, आपके पास लौटना कितना अच्छा लगता है। मुझे एक बार फिर यह कहने दीजिएः परमेश्वर हमें क्षमा करने में कभी नहीं थकता, हम ही वे हैं जो उनकी दया को खोजने में थक जाने हैं। प्रभु येसु मसीह ने हमें एक दूसरे को 'सत्तर गुना सात बार' मत्ती 18:22; क्षमा करने को कहा है, और स्वयं अपना उदाहरण देते हुए हमें सत्तर गुना सात बार क्षमा किया है। बार–बार वह हमें अपने कंधो पर उठा लेते है। उनके असीम और अनन्त प्रेम से हमें जो गरिमा प्राप्त हुई है, उसे कोई हमसे छीन नही सकता। कोमलता जो कभी निराश नही करती वरन् हमारे आनन्द को लौटाने में सदा समर्थ है, प्रभु ने हमारे लिए इस कोमलता से यह सम्भव कर दिया है कि हम अपना सिर उठा सकें और नई शुरुआत कर सकें। हम प्रभु येसु मसीह के पुनरुत्थान से न भागें, कुछ भी हमें प्रेरित न कर सकें; क्योंकि उनका जीवन ही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

SCC MEETING

St.Alphonsa Scc unit Meeting on 21st Feb, 2019 Thursday, at 7:30 pm at the residence of Mrs Chanda Dass, at Bl. 22, Q.969, Baba Kharak Singh Marg

Parish Priest
Fr. Lawrence PR
Asst. Parish Priests
Fr. J. John Britto
Fr. Sampath Kumar
&
Dn. Richard

Mass Timings

Saturdays
6.00 (Eng)
Anticipated Mass

Sundays
6.30 am - English
7.30 am - Malayalam
9.00 am - English
10.15 am - Hindi
11.30 am - English
4.00 pm - Hindi
6.00 pm - English

Weekdays
6.30 am- English
1.00 pm - English
6.00 pm - English

* *No mass at 1.00 pm on Saturdays*

Sunday Liturgy
24th Feb 2019

English 9:00am
St. Sebastian
SCC Unit

Hindi 10:15am
St. Thomas
SCC Unit

We thank every family who has sponsored the Cathedral Calling till now. Your suggestions and support would be appreciated

SUNDAY READINGS & REFLECTION

1st Reading: Jeremiah: 17: 5-8

Jeremiah does a contrast between the person who depends on human strength for his well-being and the person who trusts in God for the same purpose. The former receives a curse while the latter receives a blessing.

Response Ps: 1

Happy the man who has placed his trust in the Lord

2nd Reading: 1 Corth 15: 12, 16-20

Paul responds to those in Corinth who spread the rumour that there is no resurrection from the dead. Paul argues strongly for the resurrection of the dead.

Gospel: Lk 6: 17, 20–26

In this passage we have the Lucan equivalent of the Mathean Sermon on the Mount that begins with the beatitudes. Luke gives four beatitudes but supplements them with four woes.

prayer of the faithful

Lord, may your kingdom come!

REFLECTION

Pope Francis has urged Christians to follow the indications provided in the Beatitudes in order to avoid taking the path of greed, vanity and egoism. Speaking during the Mass at the Casa Santa Marta, the pope drew inspiration from the Gospel of Matthew and said the Beatitudes can be used as "navigators" that shine the light on the pathway of Christian life. Reflecting on the famous Sermon on the Mount, Pope Francis said Jesus' teaching on that occasion did not erase the old law; rather it 'perfected' it by bringing it to its fullness: "This is the new law; the one we call 'the Beatitudes.' It's the Lord's new law for us." He described it as the roadmap for Christian life which gives us the indications to move forward on the right path. The pope continued his homily commenting on the words of the evangelist Luke who also speaks of the Beatitudes and lists what he calls the 'four woes': 'Woe to the rich, to the satiated, to those who laugh now, to you when all speak well of you'. And recalling the fact that many times he has said that riches are good, the pope reminded us what's bad is 'the attachment to riches' which becomes idolatry. "This is the anti-law, the wrong navigator. The three slippery steps that lead to perdition, just as the Beatitudes are the steps that take us forward in life," he said. And elaborating on that thought the pope said the three steps that lead to perdition are: "the attachment to riches, because I need nothing;", "Vanity—that all must speak well of me, making me feel important, making too much of a fuss… and I am convinced to be in the right" he said, referring also the parable of the self-righteous Pharisee and the Tax Collector: "O God I thank you that I am such a good Catholic, not like my neighbor…", he said "is pride, the satiation and the laughter that closes one's heart." Of all the Beatitudes—the pope said there is one in particular: "I'm not saying it is the key to all of them, but it induces us to much reflection and it is: Blessed are the meek. "Jesus says of himself: 'learn from me for I am meek of heart,' I am humble and gentle at heart. To be meek is a way of being that brings us close to Jesus" he said. "The opposite attitude," concluded, "always causes enmities and wars…lots of bad things that happen. But meekness of heart, which is not foolishness, no: it's something else. It's the capacity to be deep and to understand the greatness of God, and worship him."

पहला पाठ : येरेमियसः 17 : 5 — 8

नबी येरेमियस का कहना है कि मनुष्य स्वयं अपना सुख.दुख चुनता है। जो मनुष्य पर भरोसा रखता है, वह अंत में दुःखी होगा। जो ईश्वर पर भरोसा रखता है, वह कभी निराश नही होगा।

अनुवाक्यः स्तोत्र 1

धन्य है वह मनुष्य, जो प्रभु पर भरोसा रखता है।

दूसरा पाठः 1 कुरिं 15 : 12, 16—20

ईसाई धर्म की सच्चाई इस बात पर निर्भर रहती है कि येसु वास्तव में जी उठे हैं। यदि येसु जी नहीं उठे, तो हम भी जी नहीं उठेगें और हमारा विश्वास व्यर्थ होगा। यदि येसु नहीं जी उठे, तो वह ईश्वर के पुत्र नहीं हैं और हमारे पापों का प्रायश्चित नहीं हुआ है।

सुसमाचारः संत लूकस 6 : 17, 20—26

दुनिया की दृष्टि में जो लोग दरिद्र तथा दुर्भाग्यशाली हैं, वे स्वर्गराज्य में प्रवेश करने के सब से अधिक योग्य हैं। वे नश्वर संसार की चीजों में आसक्त नहीं होते और सहज ही ईश्वर की शरण में जाते हैं।

विश्वासियों के निवेदन

हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

मनन–चिंतन

पोप फ्रांसिस ने लालच घमंड और अहंकार के मार्ग से बचने के लिए ईसाइयों से आशीर्वचन में दिए गए संकेतों का पालन करने का आग्रह किया है। एक मिस्सा के दौरान बोलते हुए पोप ने संत मत्ती के सुसमाचार से प्रेरणा प्राप्त की और कहा कि आशीर्वचन को नाविक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जो ईसाई जीवन के मार्ग पर प्रकाश को चमकते हैं। पोप फ्रांसिस ने कहा कि प्रसिद्ध उपदेश पर्वत पर दर्शाते हुए उस अवसर पर यीशु के शिक्षा ने पुराने कानून को नहीं मिटाया बल्कि इसे पूर्णता में लाकर पूर्ण किया यह नया कानून है जिसे हम आशीर्वचन कहते हैं। यह हमारे लिए भगवान का नया कानून है। उन्होंने इसे ईसाई जीवन के रोडमैप के रूप में वर्णित किया जो हमें सही रास्ते पर आगे बढ़ने के संकेत देता है। पोप ने संत लूकस के शब्दों पर अपनी घरेलू टिप्पणी करना जारी रखा जो आशीर्वचन की भी बात करता है और सूचीबद्ध करता है कि वह चार व्यर्थ को क्या कहता है धनी को धिक्कार है तृप्त को जो अब हंसते हैं आप को जब सभी आप अच्छी तरह से बोलें। और इस तथ्य को याद करते हुए कि कई बार उन्होंने कहा है कि धन अच्छा है पोप ने हमें याद दिलाया कि क्या बुरा है धन के प्रति लगाव जो मूर्तिपूजा बन जाता है। उन्होंने कहा यह कानून विरोधी गलत नाविक है। आशीर्वचन ऐसे कदम हैं जो हमें जीवन में आगे ले जाते हैं। और उस विचार को विस्तार से बताते हुए पोप ने कहा कि तीन कदम, इस कारण से विनाश हो सकता है धन के लिए लगाव क्योंकि मुझे कुछ नहीं चाहिए। घमण्ड कि सभी को मेरे बारे में अच्छी तरह से बोलना होगा जिससे मुझे महत्वपूर्ण महसूस होगा बहुत अधिक उपद्रव हो जाएगा और मुझे यकीन है उन्होंने कहा स्वयंभू फरीसी और कर संग्रहकर्ता के दृष्टांत का भी उल्लेख करते हुए हे ईश्वर मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि मैं इतना अच्छा ईसाई हूं मेरे पड़ोसी की तरह नहीं उन्होंने कहा गर्व है व्यंग्य। हंसी जो किसी के दिल को बंद कर देती है। सभी आशीर्वचन में से . पोप ने कहा कि विशेष रूप से एक है मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन यह हमें बहुत प्रतिबिंब के लिए प्रेरित करता है और यह है धन्य हैं नम्र। यीशु खुद के बारे में कहते हैं मैं दिल से नम्र हूं मेरे से सीखो मैं दिल से विनम्र और सौम्य हूं। नम्र होना एक ऐसा तरीका है जो हमें यीशु के करीब लाता है उन्होंने कहा। विपरीत रवैया निष्कर्ष निकाल हमेशा दुश्मनी और युद्ध का कारण बनता है बहुत सारी बुरी चीजें होती हैं। लेकिन दिल की नम्रता जो मूर्खता है नहीं यह कुछ और है। यह गहरी होने और भगवान की महानता को समझने और उसकी पूजा करने की क्षमता है।

READINGS OF THE WEEK

18/Mon: Gen 4:1-15,25/ Ps 50:1-21/ Mk 8:11-13
19/Tue: Gen 6:5-8,7:1-5,10/Ps 29:1-10/ Mk 8:14-21
20/Wed: Gen 8:6-13,20-22/Ps116**:**12-19/Mk 8:22-26
21/Thu: Gen 9:1-13 /Ps 102:16-29/ Mk 8:27-33
22/Fri:1Pet 5:1-4 /Ps 23:1-6/Mt 16:13-19
23/Sat: Heb: 11:1-7/ Ps 145:2-11/ Mk 9:2-13
24/Sun: 1Sm26:2-23/Ps:103:1-13
1Cor 15:45-49/ Lk 6:27-38

IN THE SACRAMENT OF THE EUCHARIST WE FIND GOD WHO GIVES HIMSELF.

~Pope Francis~

PARISH NEWS

1)Today there will be a second collection for the Seminary fund.

2)Today immediately after the 9 am Mass; a prayer service is being organized at Maria Bhavan Basement for the students who are going to apear for the Board exam. All the students are requested to attend the prayer service.

3)On every Tuesday there will be **Mass in Hindi** at 6pm at Sacred Heart Cathedral.

4) The free **Homeopathy** Clinic run by the society of St. Vincent De Paul has started functioning again. The Dispensary is open on every Saturday between 5pm to 7 pm.

5)**St. Mary's Boys Hostel**, Rohtak opens Admission for class V, VI & VII. Entrance Test conducted on 3rd March, 2019 at Yusuf Sadan at 2pm. Kindly see the notice board for details.

.

6)Kindly **leave the Church Hymn books** at Hymn Book trolley in the Church itself.

7) For more details regarding the **SSC meetings** during the week, kindly look at the Cathedral Calling.

8) Next **Sunday's Liturgy** will be animated by St. Sebastian SCC and St. Thomas SCC Units at 9:00am and 10:15am Mass respectively.

THE BEATITUDES

1) **Blessed are the poor in Spirit,** for there is the kingdom of heaven

2) **Blessed are those who mourn,** for they shall be comforted

3) **Blessed are the meek,** for they shall inherit the earth.

4) **Blessed are those who hunger and thirst for righteousness**, for they shall be satisfy.

5) **Blessed are the Merciful**, for they shall obtain mercy

6) **Blessed are the pure of heart**, for they shall see God.

7) **Blessed are the peace makers,** for they shall be called sons of God.

8) **Blessed are those who are persecuted**, for righteousness sake, for theirs is the kingdom of Heaven.

Called to Happiness
God created us to know, love and serve him in this life and to be happy with him forever in the afterlife.

Quiz from St. Luke's Gospel

1) What did the lost son decide to say to his father?
father, I have sinned against heaven and before you, I am no longer wothy to be calld your son, make me like one of your hired servants.
2) Who got angry when the younger brother returned? (Lk15:25-28)
Elder brother, Father, Pharisees, Scribes
3) What did the apostles ask the Lord to increase?(17:5)
Our faith, our influence, our prayer life, our wealth
4) What did one leper do that the other nine didn't?(17:15)
Showed himself to the priests, turned back, and with loud voice glorified God, went and told his family and friends
5) Whose wife did Jesus say to remember? (17:32)
Abraham, Isaac, Jacob, Noah and None of these
6) How many pounds did the nobleman give to each of his servants? (19: 12-24)- 1,2, 5,10 and None of the above
7) What did Jesus desire to eat with the apostles? (22:15)
Bread, Corn, Fish, Passover and None of the above
8) What does the bread symbolize in the Lord's supper?(22:19)
Blood of Jesus, Body of Jesus, Manna, Word of God
9) For whom did Jesus pray that his faith fail not? (22:31-32)
James, John, Judas, Philip
10) What example of forgiveness did Jesus give on the cross?
He called the soldiers his friends, he forgave them that crucified him, he gave the soldiers his garments

Francis J. Tunias

R.T.

Mob.: 9818136106
7011364736
Lovely: 9871425079

Specialist in Wedding Cakes
Confectioners & Caterers
with All Kinds of Parties & Events

Shop No 1, Double Story Mehar Chand Market
Lodhi Road, New Delhi-110003

6/22-C, Sarai Kale Khan,
D.D.A. Flats,
New Delhi - 110013

ARCHBISHOPS ANGELO-ALAN AID FOR THE ELDERLY

An initiative by Chetanalaya,
Social action wing of the Archdiocese of Delhi

Goal: To help 60 elderly who are in need
(1 Jan - 31 Dec, 2019)

OLD to GOLD CAMPAIGN

Donate the old News papers/ other papers at the box kept near Maria Bhawan Sacred Heart Cathedral or inform Fr. John Britto (8377820980)

Contact Us: **Chetanalaya**, 9-10 Bhai Vir Singh Marg,
New Delhi-1Ph:011-23744308; 8377820980
chetanalaya@gmail.com www.chetanalaya.org.in

This issue is sponsored by Mr. Suni Samuel